स्वच्छ गंगा

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (गवर्नेंस और आईआर) से संबंधित है।

द हिन्दू

23 मार्च, 2022

अधिकांश गंगा स्वच्छ, जल शक्ति मंत्रालय का दावा

जल संसाधन राज्य मंत्री बिश्वेश्वर टुडू ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि गंगा की जल गुणवत्ता स्नान के लिए पर्याप्त स्वच्छ थी और नदी के लगभग पूरे हिस्से के लिए नदी पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करने में सक्षम थी।

घुलित ऑक्सीजन (डीओ), जो नदी के स्वास्थ्य का एक संकेतक है, "स्नान जल गुणवत्ता मानदंड" की "स्वीकार्य सीमा" के भीतर था।

2018 में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की एक रिपोर्ट में गंगा नदी के मुख्य तने पर चार प्रदूषित हिस्सों की ओर इशारा किया गया था। 1 से 5 तक की पाँच श्रेणियाँ हैं, जिनमें 1 सबसे प्रदूषित और 5 सबसे कम है।

एक अद्यतन 2021 रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि गंगा का कोई भी हिस्सा अब प्राथमिकता श्रेणी I से IV में नहीं था और जैव-रासायनिक ऑक्सीजन माँग (BOD) के साथ प्राथमिकता श्रेणी V में केवल दो खंड हैं, जो (डीओ) से अलग है, जो कि 3- के बीच है। प्रदूषित खंड के सीपीसीबी वर्गीकरण के अनुसार 6 माइक्रोग्राम/लीटर है।

2014 और 2021 से डीओ, बायो-केमिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) और फेकल कोलीफॉर्म (एफसी) जैसे पानी की गुणवत्ता के मानकों के औसत डेटा की तुलना व डीओ (माध्यिका) में 31 स्थानों पर सुधार हुआ है। मंत्रालय के आंकड़ों में कहा गया है कि बीओडी क्रमश: 46 और एफसी 23 स्थानों पर हैं।

सीपीसीबी की 2018 की रिपोर्ट में बीओडी के संदर्भ में 521 नदियों की निगरानी परिणामों के आधार पर 323 नदियों पर 351 प्रदूषित हिस्सों की पहचान की गई थी। पानी की गुणवत्ता के आकलन के आधार पर केन्द्र और राज्यों दोनों द्वारा नदियों और नालों के प्रदूषण को रोकने के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। नदी की सफाई एक सतत प्रक्रिया है व केन्द्र सरकार राज्य सरकारों और शहरी स्थानीय निकायों को 'नमामि गंगे' और राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना (एनआरसीपी) जैसी योजनाओं के माध्यम से सहायता करती है।

एनआरसीपी ने अब तक 16 राज्यों में फैले 77 शहरों में 34 नदियों पर प्रदूषित हिस्सों को कवर किया है जिसकी स्वीकृत लागत ₹ 5,961.75 करोड़ है। नमामि गंगे कार्यक्रम ने सीवेज़ उपचार के लिए 160 सहित 364 परियोजनाओं को वित्त पोषित किया है।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

प्र. जैव-रासायनिक ऑक्सीजन माँग (BOD) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें।

1. यह ऑक्सीकरण की प्रक्रिया द्वारा कार्बनिक पदार्थों के टूटने के लिए एक जल निकाय में जैविक जीवों द्वारा आवश्यक ऑक्सीजन की मात्रा को दर्शाता है।
2. यह एक जलीय पारिस्थितिकी तंत्र में मौजूद कार्बनिक प्रदूषकों की मात्रा का प्रतीक है।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

(क) केवल 1
(ख) केवल 2
(ग) 1 और 2 दोनों
(घ) कोई नहीं

Expected Question (Prelims Exams)

Q. Consider the following statements regarding Bio-Chemical oxygen demand.

1. It signifies the amount of oxygen required by biological organisms in a water body for breakdown of organic matter by the process of oxidation.
2. It symbolizes the amount of organic pollutant present in an aquatic ecosystem.

which of the above statements is/are correct?

(a) 1 only
(b) 2 only
(c) Both 1 and 2
(d) None

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्र. गंगा नदी की सफाई प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न चुनौतियों/मुद्दों का परीक्षण करें। इस दिशा में नमामि गंगा परियोजना के महत्व पर चर्चा करें। (250 शब्द)

Q. Examine the various challenges/issues associated with the cleaning process of River Ganga. Discuss the significance of Namami Ganga project in this direction. (250 Words)

Committed To Excellence

नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्त्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।